## एक नजर में

### लोक अदालत आज

**बैतूल।** मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम लोक अदालत का आयोजन 9 मई को नगरपालिका परिषद बैतूल में किया जाएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद बैतूल ने बताया कि प्रातः 10 से शाम 6 बजे तक आयोजित लोक अदालत में संपत्ति कर, जल शुल्क, बकायादारों को अधिभार से छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने समस्त भवन-भू स्वामियों से अपील की है कि लोक अदालत में अपना बकाया कर जमा करवाकर अधिभार में छूट का लाभ प्राप्त करें।

### रवीन्द्रनाथ टैगोर की 164वीं जयंती मनाई

**पाथाखेड़ा।** घोड़ाडोंगरी ब्लॉक नवनिर्माण बहुउद्देशीय संस्था पाथाखेड़ा द्वारा ग्राम गाताखेड़ा पंचायत बाकूड़ के आंगनवाड़ी केंद्र-1 में गुरूदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की 164वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच भैय्यालाल बैठे, महिपाल एवं जमीला कुरैशी द्वारा गुरूदेव के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। संस्था अध्यक्ष मुमताज शेख ने बच्चों को टैगोर के जीवन और उनके साहित्यिक योगदान की जानकारी देते हुए बताया कि वे साहित्य का नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले गैर-यूरोपीय थे। कार्यक्रम में शायरी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रेरणादायी विचारों के माध्यम से गुरूदेव को श्रद्धांजलि दी गई। उपाध्यक्ष अनीस कुरैशी एवं कोषाध्यक्ष रेहाना ने कहा कि टैगोर के विचार आज भी समाज को नई दिशा देते हैं।

### आग से पड़ोसी किसान की गन्नाबाड़ी जली

**मुलताई।** नरवाई जलाने पर प्रतिबंध होने के बाद भी खेतो मे नरवाई जलाई जा रही है, जिसकी आग पडोसी किसानो के खेतो को अपनी चपेट मे लेने से किसानो को क्षति हो रही है। नगर पालिका के फायर कर्मचारी सुमित पूरी ने बताया शुक्रवार की दोपहर करीब 12 बजे ग्राम परमंडल में राजेश चौरे के खेत में करीब 7 एकड़ की गन्नाबाड़ी की फसल मे आग लग गई। किसान ने फायर कर्मचारियों को बताया पड़ोस के खेत मालिक गणेश किशोर झाडे ने अपने खेत में नरवई जलाई थी, तेज हवाओ के कारण आस पास खेतो में आग फैल गई। जिससे गन्ना बाडी जलकर राख हो गई। नगर पालिका की फायर टीम को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और आग बुझाई गई। आग बुझाने मे फायर ब्रिगेड ड्राइवर राकेश बारंगे, गिरीश पिपले की मुख्य भूमिका रही।

### 11 मई को लगेंगे मोतियाबिंद जांच शिविर

**बैतूल।** युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं चिरायु मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बैरागढ़ भोपाल के तत्वाधान में स्व. राधेलाल साहू बिसने चिल्हाटी की स्मृति में विशाल मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर के आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीमपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैंसदेही, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्हाटी में विशाल मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर के आयोजन एक साथ चार स्थानों पर दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति के प्रमुख निलेश साहू बिसने चिल्हाटी, प्रहलाद साहू ने बताया कि इन शिविरों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी एवं जिन आंखों में मोतियाबिंद पाया जाएगा उन सभी मरीजों के ऑपरेशन चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल बैरागढ़ भोपाल में आयोजित किए जाएंगे।

# ठंडे बस्ते में माचना के पुनर्जीवन की योजना, नदी में फैली जलकुंभी

**नवभारत न्यूज**

**बैतूल, 8 मई. माचना नदी जलीय खरपतवार जलकुंभी (वॉटर हाईऐसाइंथ) से पट गई है। इससे जलीय जीव के जीवन पर संकट मंडरा रहा है।**

**नगरपालिका नहीं चला रही सफाई अभियान**

पिछले साल जलकुंभी को नष्ट करने के लिए नगरपालिका ने 7 लाख रुपए खर्च कर जेसीबी और पोकलेन मशीन से जलकुंभी हटवाई थी। इसके बावजूद एक साल में जलकुंभी ने दोबारा नदी को अपनी आगोश में ले लिया है। स्थिति यह है कि नदी का करीब 15 किलोमीटर हिस्सा जलकुंभी से डंक गया है। कई स्थानों पर केवल जलकुंभी ही नजर आ रही है, पानी दिखाई नहीं देता। गंज मोक्षधाम से करबला घाट तक नदी की सतह पर हरी परत जमी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार जलकुंभी पानी की सतह को डंककर ऑक्सीजन की मात्रा कम कर सकती है, जिससे जलीय जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो इसका फैलाव और बढ़ सकता है। जानकार कहते है कि नदी की खराब होती स्थिति के पीछे केवल जलकुंभी जिम्मेदार नहीं है। शहर के कई नालों का पानी बिना उपचार सीधे नदी में छोड़ा जा रहा है। घरों और बाजारों से निकलने वाला अपशिष्ट नालों के माध्यम से माचना में मिल जाता है। नदी किनारे स्थित मोक्षधाम में से अंतिम संस्कार के बाद राख और अन्य अवशेष भी कई बार नदी में प्रवाहित कर दिए जाते हैं। इन कारणों से पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और जलीय जीवों के लिए अनुकूल परिस्थितियां कम हो रही हैं।

**लगभग 185 किमी लंबी है यह नदी :** आमला विकासखंड के ग्राम ससाबड़ के पास से माचना नदी का उद्गम होता है। लगभग 185 किलोमीटर लंबी यह नदी आमला, बैतूल, चिचोली, शाहपुर और घोड़ाडोंगरी विकासखंडों से होकर बहती है।

### योजनाएं बनीं, लेकिन काम नहीं हुए

माचना नदी से जलकुंभी हटवाने चार साल पहले शुरू किया पुनर्जीवन अभियान बीच में ही ठंडा पड़ गया। चार वर्ष पहले तत्कालीन कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस ने माचना नदी के पुनर्जीवन को लेकर समीक्षा बैठक में कई प्रस्ताव रखे थे। थे। उद्गम स्थल स्थल पर सरोवर निर्माण, रेन में वाटर हार्वेस्टिंग, पौधरोपण और विभिन्न जल संरचनाओं के निर्माण की बात कही गई थी। उद्देश्य था कि नदी जल प्रवाह बना रहे। कृषि भूमि को लाभ मिले और भूजल स्तर सुधारे। इन घोषणाओं के बाद घरातल पर बड़े पैमाने पर कार्य होते नजर नहीं आए। वर्तमान स्थिति बताती है कि योजनाओं पर आज तक कोई काम नहीं हो सका।

सारणी में जिस ठेकेदार द्वारा जलकुंभी की सफाई की गई थी, उन्हें बुलाया गया है। चूंकि पानी में जलीय जीव-जंतु भी रहते है, इसलिए बिना एक्सपर्ट के निगरानी में यह कार्य नहीं किया जा सकता है। पिछले साल मैनुवल तौर पर माचना की सफाई कराई थी। फिर जलकुंभी लौट आई। अब जैसे ही ठेकेदार आते है, उनके मार्गदर्शन में आगे की योजना बनाई जायेगी।

– नीरज धुर्वे, एई, नगरपालिका बैतूल

### जलीय जीवों के जीवन पर भी मंडरा रहा खतरा

माचना नदी में जलकुंभी ने अपने कब्जे में कर लिया है। नदी द्वन्द्व हर तरफ जलकुंभी की हरी चादर बिछी दिखाई दे रही है। इससे जलीय जीवों के जीवन पर भी खतरा उत्पन्न हो रहा है। धीरे-धीरे बढ़ते हुए जलकुंभी ने नदी के करीब 15 किलोमीटर के हिस्से को पूरी तरह से ढंक लिया है। यदि इस पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया तो इसका फैलाव पूरी नदी में हो जाएगा। इससे नदी में पानी का बहाव थमेगा और बारिश के दिनों में नदी के किनारे बाढ़ का खतरा भी अधिक हो जाएगा। इधर जलकुंभी की वजह से जलीय जीवों पर भी संकट मंडराने लगा है, क्योंकि जलकुंभी पानी की सतह को डंककर ऑक्सीजन की मात्रा कम कर सकती है, जिससे जलीय जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

## कोयला मजदूरों से बिना प्रमाण पत्र ढुलाया जा रहा ज्यादा बारूद

**पाथाखेड़ा।** वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) पाथाखेड़ा क्षेत्र की तीनों खदानों में कार्यरत ठेका श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस कमेटी जिला बैतूल ने प्रबंधन को पत्र सौंपकर आरोप लगाया है कि कई ठेका श्रमिकों से बारूद एवं ब्लास्टिंग जैसे अत्यंत जोखिमपूर्ण कार्य कराए जा रहे हैं, जबकि उनके पास न तो वैध ट्रेनिंग है और न ही वीटीसी ट्रेनिंग सर्टिफिकेट उपलब्ध है। कमेटी के जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार नागले ने जारी पत्र में कहा है कि नियमों को

दरकिनार कर श्रमिकों की जान जोखिम में डालना बेहद चिंताजनक है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इन श्रमिकों का बीमा तक नहीं कराया गया, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की स्थिति में मजदूरों और उनके परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता है।संगठन ने मांग की है कि खदानों में कार्यरत सभी ठेका श्रमिकों की जांच कराई जाए तथा उनका पुलिस वेरिफिकेशन भी अनिवार्य रूप से कराया जाए। साथ ही स्थानीय बेरोजगार युवाओं और सीएसआर ग्रामों के श्रमिकों को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग भी उठाई गई है। पत्र में चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द ही समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो ठेका श्रमिकों में बढ़ता आक्रोश उस विषय को लेकर केंद्रीय श्रम अधिकारी तक पहुंचाई जाएगी । इस मामले की प्रतिलिपि कलेक्टर बैतूल, प्रदेश अध्यक्ष असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस भोपाल तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी भेजी गई है।क्षेत्र में यह मुद्दा अब श्रमिक सुरक्षा, प्रबंधन की जवाबदेही और खदानों में नियमों के पालन को लेकर चर्चा का केंद्र बन गया है।

तीनो खदानों में सुरक्षा अधिकारियों से चर्चा कर आपके द्वारा दी गई जानकारी अनुसार बिना ट्रेनिंग सर्टिफिकेट के मजदूरों से बारूद ढोने का काम किया जा रहा है तो जांच करके जरूर कारवाही की जाएंगी।

**संजय मिश्रा,** जीएम, वेकोलि पाथाखेड़ा।

## बर्राढाना पहुंचे आयोग सदस्य मंगल सिंह धुर्वे

**बैतूल।** भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बाशिंदा अंतर्गत बर्राढाना में हुई भीषण आगजनी के बाद शुक्रवार को पूरा प्रशासनिक अमला हरकत में दिखाई दिया। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य मंगल सिंह धुर्वे धारा 10 के तहत विशेष दौरे पर सीधे घटना स्थल पहुंचे और आग से तबाह हुए परिवारों के बीच पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया। राख में तब्दील घरों, बिखरे घरेलू सामान और बेघर हुए परिवारों के बीच पहुंचे आयोग सदस्य ने राहत शिविर में पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा शासन-प्रशासन की ओर से

हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। आगजनी की इस त्रासदी के बाद बर्राढाना में दिनभर राहत, पुनर्वास और प्रशासनिक गतिविधियां तेज रहीं। आयोग सदस्य ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए और सभी प्रभावित परिवारों तक तत्काल सहायता पहुंचाई जाए। मौके पर प्रभावित बच्चों के लिए किताब, कॉपी और स्कूल बैग उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी करवाई गई, ताकि आग की इस त्रासदी के बीच उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। धारा 10 के तहत हुए इस विशेष दौरे को प्रशासनिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आयोग द्वारा सीधे गांव पहुंचकर पीड़ति परिवारों से चर्चा करना और अधिकारियों की मौजूदगी में राहत व्यवस्थाओं की समीक्षा करना यह संकेत दे रहा है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है।

## आईपीएल क्रिकेट मैच पर रोजाना लगता है लाखों का सट्टा

**सारनी।** कोल नगरी मे आईपीएल क्रिकेट मैच रोजाना 50 लाख से ज्यादा का सट्टा खेला जा रहा है। मैच पर सट्टा लगाने वाले कोल कामगारो को बुकी अपने जाल में फंसा रहे है। जानकर सूत्रों ने बताया कि जिले भर मे चल रहे आईपीएल क्रिकेट मैच का मास्टर मांइड कोल नगरी में रहता है। जिले भर के सट्टे को बुकी के जरिये संचालन करता है। इस गोरख धंधे में सत्तापक्ष के आधा दर्जन से अधिक नेता संचालित कर रहे है. सैय्या बने कोतवाल तो अब डर काहे का की तर्ज पर काम चल रहा है, हालांकि कोल नगरी मे आईपीएल सट्टे को संचालित करने वालों की जानकारी पुलिस विभाग को होने के बाद भी चुप्पी साधे हुए है। बताया जाता है कि कोल नगरी में बड़े पैमाने पर क्रिकेट मैच पर सट्टा का खेल चल रहा है। कोल नगरी एवं सारनी में सुदखोरी एवं क्रिकेट मैच मे लाखो रुपयों का लेनदेन होने की वजह से कई लोग आत्महत्या कर चुके है। हाल ही मे एक विद्युत कर्मी ने सुदखोरी की चलते आत्महत्या कर ली है। मृतक के सोसाइट नोट मे सुदखोरो का नाम होने की चर्चा है, परन्तु अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। बताया जाता है कि आईपीएल क्रिकेट मैच मे रोजाना लाखो रुपयों का सट्टा खेला जा रहा है।

## नेहरू वार्ड में पार्क निर्माण का रास्ता साफ

**मुलताई।** नगर के नेहरू वार्ड में अमृत 2.0 योजना के तहत नगरपालिका द्वारा पार्क निर्माण किया जाना है। लेकिन प्रस्तावित व पार्क स्थल को लेकर पड़ोसी व्यक्ति द्वारा सिविल कोर्ट मे वाद दायर किया था,उक्त विवाद अब समाप्त हो गया है। न्यायालय द्वारा उक्त प्रकरण अदम पैरवी में खारिज कर दिया गया है। नगर पालिका मुलताई की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता पंकज यादव ने बताया कि वर्ष 2024 में वादी मो. जुनैद द्वारा न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया गया था। वादी द्वारा नगर पालिका के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को रोकने के लिए स्टे लेने के लिए न्यायालय मे आवेदन

भी प्रस्तुत किया गया था,उक्त प्रकरण मे सुनवाई करते हुए निरस्त कर दिया था।स्थगन आवेदन निरस्त होने के बाद नगर पालिका द्वारा अमृत 2.0 योजना अंतर्गत प्रस्तावित पार्क निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। इसके बावजूद वाद न्यायालय में लंबित रहा,लेकिन वादी को पर्याप्त अवसर दिए जाने के बाद भी वादी की ओर से साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए। जिसके चलते न्यायालय ने वाद को अदम पैरवी में खारिज कर दिया। न्यायालय के उक्त आदेश के बाद अब पार्क निर्माण से संबंधित विवाद समाप्त हो चुका है, इस तरह पार्क निर्माण का रास्ता साफ हो चूका है।

## सर्वर बंद होने पर ऑफलाइन राशन वितरण करे सरकार

**मुलताई।** प्रदेश में सर्वर और नेटवर्क समस्याओं के कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली ठप्प होने पर किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुलताई के पूर्व विधायक डॉ सुनीलम ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री और खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री को पत्र लिखकर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पिछले 8-10 दिनों से सर्वर और नेटवर्क संबंधी समस्याओं के कारण 100 में से 5 हितग्राहियों को भी राशन नहीं मिल पा रहा है। राशन प्राप्त करने वाले अधिकांश लोग गरीब, मजदूर, महिलाएं एवं बुजुर्ग हैं, जो प्रतिदिन राशन दुकानों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और अधिक गंभीर है, जहां लोग मजदूरी छोड़कर राशन लेने पहुंच रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।डॉ. सुनीलम ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा न तो सेल्समैनों को कोई स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है,लगातार सर्वर बंद रहने के बावजूद ऑफलाइन वितरण की अनुमति नहीं दी गई तथा आम जनता को भी कोई अधिकृत सूचना जारी नहीं की गई। इससे राशन विक्रेताओं और हितग्राहियों के बीच विवाद एवं तनाव की स्थिति बन रही है।

## अतिथि शिक्षकों के साथ अन्याय, सौंपा ज्ञापन

**नवभारत न्यूज**

**बैतूल, 8 मई. समस्त अतिथि शिक्षक द्वारा आयुक्त लोकशिक्षण संचालनालय भोपाल के नाम से अतिथि शिक्षक नवीन पंजीयन पूर्णतः बंद करने एवं पुराने को कार्य अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर प्रति वर्षानुसार बोनस के 10 अंक (अधिकतम 18 वर्षों के 180 अंक) स्कोर कार्ड में जोड़ने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को शुक्रवार को ज्ञापन सौंपा।**

वर्तमान में पूरे प्रदेश में अतिथि शिक्षकों के नवीन पंजीयन किए जा रहे हैं। जिसके कारण विगत 18 वर्षों से पूर्ण, निष्ठा, लगन व ईमानदारी के साथ सेवा देते आ रहे है। ऐसे अतिथि शिक्षकों के मन में घोर असंतोष, निराशा और आक्रोश व्याप्त है, क्योंकि लाखों की संख्या में अतिथि शिक्षक पूर्व से ही पंजीकृत है। जिन्हें शत प्रतिशत रोजगार देना संभव नहीं है। ऐसे में यदि पुनः नवीन पंजीयन होंगे तो पूर्व से पंजीकृत अनुभवी अतिथि शिक्षकों के साथ कुठाराघात और घोर अन्याय होगा और ऐसी स्थिति में पुराने अतिथि शिक्षक बेरोजगार होकर सड? पर आ जायेंगे। जिनके परिवारों का भरण पोषण कर पाना असंभव होगा और वह भूखे मरने की कगार पर आ जाएगें। जिसके दोषी सरकार और आलाधिकारियों होंगे। कार्याअनुभव और वरिष्ठता के आधार पर प्रति वर्षानुसार बोनस के 10 अंक, स्कोर कार्ड में जोडकर सत्र 2026-27 जारी किया जाए। जिससे पुराने अतिथि शिक्षकों को 18 वर्षों की तप-तपस्या और सेवा का उचित लाभ। इस अवसर पर संघ के दीपक गोचरे, भारती सोनी, यमन जाधव, प्रीतमा जोशी, संजय उइके, मानक परते, सुनीता सूर्यवंशी, महेन्द्र पवार, दीपक सोनी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

## पर्यावरण की दिशा में समितियां लोगों को जागरूक करें : ठाकुर

**बैतूल। भारत भारती परिसर में प्रस्फुटन समितियों का विकासखण्ड मुलताई, आठनेर, पट्टन, भैंसदेही का दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया।**

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अशासकीय सदस्य, जन अभियान परिषद, बैतूल बुधपाल सिंह ठाकुर एवं वरिष्ठ समाजसेवी अनिल अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस मौके पर बुधपाल सिंह ठाकुर ने कहा कि जन अभियान परिषद ग्राम की जन संपदा, वन संपदा,

जल संपदा एवं भू-संपदा के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होने कहा कि परिषद को पर्यावरण के लिए कार्य करते हुए लोगों को भी जागरूक करना होगा। वरिष्ठ समाजसेवी अनिल अग्रवाल ने प्रस्फुटन समिति के सदस्यों को स्वाभिमानी एवं स्वावलंबी समाज के निर्माण के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के तकनीकी सत्र जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी एवं जिला समन्वयक नर्मदापुरम पवन सहगल, संतोष राजपूत एवं श्रीमती मधु चौहान द्वारा लिए गए। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा एवं सतत विकास लक्ष्य पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को जितेंद्र तिवारी द्वारा जैविक कृषि प्रकल्प का भ्रमण भी कराया गया, जिससे उन्हें व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त हो सके। प्रशिक्षण में प्रस्फुटन समिति के प्रतिनिधि विकासखण्ड समन्वयक जयप्रकाशी धुर्वे, विकास कुमरे, दिनेश पवार उपस्थित रहे।

**पत्रकारवार्ता** बर्राढाना अग्निकांड, महिला सुरक्षा और बंद स्कूलों के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

## भाजपा सरकार किसान, युवा और महिलाओं के मुद्दों से भाग रही है : कांग्रेस

**बैतूल।** जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में नव नियुक्त जिला प्रवक्ताओं और सोशल मीडिया प्रभारियों का परिचय कराया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार पर किसान, युवा, महिला और आमजन विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा सरकार जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है, जबकि कांग्रेस लगातार किसानों, युवाओं, महिलाओं और मजदूरों की आवाज उठाती रहेगी। जिला कांग्रेस कमेटी ने लवलेश बब्बा राठौर और विजय पारधी को जिला कांग्रेस प्रवक्ता, अतुल शर्मा आईटी सेल जिला

अध्यक्ष तथा उमाकांत शर्मा और अनूप जैसवाल को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करना और जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाना है। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें कांग्रेस को किसानों के मुद्दे पर बोलने का अधिकार नहीं होने की बात कही गई थी। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा को कांग्रेस पर आरोप लगाने से पहले वर्ष 2017 के मंदसौर गोलीकांड को याद करना चाहिए, जहां भाजपा सरकार के दौरान छह किसानों की गोली लगने से मौत हुई थी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसानों के प्रति संवेदनशीलता का दावा करने वाली भाजपा सरकार ने हमेशा किसानों की आवाज दबाने का काम किया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने किसानों के हित में 70 हजार करोड़ रुपए का कृषि ऋण माफ किया था। वहीं वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पहली ही कैबिनेट बैठक में किसानों के दो लाख रुपए तक के कर्जमाफी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन भाजपा ने सरकार गिराकर इस प्रक्रिया को रोक दिया।

### किसान, खाद, बीज और उपज के उचित मूल्य के लिए परेशान

कांग्रेस ने वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पुराने वादे याद दिलाते हुए कहा कि भाजपा ने किसानों से कर्जमाफी, आय बढ़ाने और कृषि व्यवस्था सुधारने के वादे किए थे, लेकिन आज किसान खाद, बीज और उपज के उचित मूल्य के लिए परेशान है। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि जब देशभर में करोड़ों लोग आईपीएल मैच देखते हैं तब सर्वर डाउन नहीं होता, लेकिन किसानों के पंजीयन के समय पोर्टल बंद हो जाता है। नरवाई जलाने पर किसानों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर कांग्रेस ने कहा कि सरकार पहले इसका वैकल्पिक समाधान उपलब्ध कराए, उसके बाद दंडात्मक कार्रवाई करे। बिना विकल्प दिए किसानों पर कार्रवाई करना अन्यायपूर्ण है।

## ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का हुआ शुभारंभ

**पाथाखेड़ा।** खेल एवं युवक कल्याण विभाग बैतूल के मार्गदर्शन में हाईस्कूल फुटबॉल ग्राउंड सारनी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी निशुल्क ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का आयोजन उत्कल स्पोर्ट्स क्लब सारनी द्वारा किया जा रहा है। जिसमें नगर एवं आसपास के बच्चों और खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। शिविर के कोच प्रशिक्षक रंजीत डोंगरे एवं रामा पवार ने बताया कि शासन की खेल प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कई वर्षों से इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। खिलाड़ियों को खेलों की तकनीकी बारीकियां, नियम, कौशल क्षमता एवं

अनुशासन से जुड़ी विशेष जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हो सके।जिला खेल अधिकारी पूजा कुरील एवं घोड़ाडोंगरी ब्लॉक कोऑर्डिनेटर शैलेन्द्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 6 वर्ष से 25 वर्ष तक के खिलाड़ी एवं बच्चे इस निशुल्क ग्रीष्मकालीन खेल शिविर में ऑनलाइन पंजीयन कर सुबह एवं शाम के प्रशिक्षण सत्रों में भाग ले सकते हैं। पंजीयन की व्यवस्था हाईस्कूल फुटबॉल ग्राउंड सारनी में की गई है।आयोजकों ने नगरवासियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने बच्चों का पंजीयन कराकर उन्हें खेलों से जोड़ें, ताकि युवा पीढ़ी स्वस्थ, अनुशासित और खेल प्रतिभा के रूप में आगे बढ़ सके।